मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–008

एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

(एम.ए.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.वी.एस.-008 : वैदिक गणित एवं सृष्टिविज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों के निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए। हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : अधोलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। $3 \times 20 = 60$

1. बीजगणित के व्यापक विभागों में से एक **संख्या सिद्धान्त** का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. अंकगणित के उद्‌भव एवं विकास पर विस्तार से उल्लेख कीजिए।

3. 'गणितसार संग्रह' ग्रन्थ की विषय-वस्तु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. 'बौधायन शुल्बसूत्र' के प्रमुख विषयों का प्रतिपादन कीजिए।

5. वैदिक गणित के आधारभूत ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

6. वेदेतर भारतीय गणित के किन्हीं **चार** गणितज्ञों के योगदान को विस्तार से लिखिए।

खण्ड—ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

$4 \times 10 = 40$

1. लगधाचार्य के वेदाङ्ग ज्योतिष का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

2. बौद्ध साहित्य में गणित का क्या स्वरूप है? वर्णन कीजिए।

3. वैदिक साहित्य का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

4. वेदों के उपवेदों के नामों को लिखते हुए उनके विषयों पर संक्षिप्त विवरण लिखिए।

5. 'भूभ्रमण सिद्धान्त' के जन्मदाता कौन हैं? इस सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

6. स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ का जीवन परिचय लिखिए।

7. "भास्कराचार्य का बीजगणित में योगदान" विषय पर टिप्पणी लिखिए।

× × × × ×